चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद
Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: Amar ujala **Date: 30-05-2023**

गैर शिक्षण कर्मियों की भूमिका अहम : डॉ. राजीव

जींद। चौ. रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के आईक्यूएसी विभाग की तरफ से गैर शिक्षक कर्मचारियों के लिए सोमवार को सेमिनार का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता आईक्यूएसी डायरेक्टर प्रो. एसके सिन्हा ने की। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय से सेवानिवृत डिप्टी रजिस्ट्रार और विश्वविद्यालय के ओएसडी डॉ. राजीव शर्मा ने शिरकत की। मुख्य वक्ता डॉ राजेश शर्मा ने बताया कि गैर शिक्षक कर्मचारियों के बिना विश्वविद्यालय में कोई भी कार्य संभव नहीं है। नॉन टीचिंग कर्मचारी विश्वविद्यालय के हर छोटे बड़े काम को अपने जिम्मेदारी के अनुसार संभालता है और विश्वविद्यालय का मार्गदर्शन करता है। इसमें चपरासी से लेकर अधिकारी सबका समान रूप से योगदान होता है। उन्होंने कहा कि आप लोग विश्वविद्यालय में किसी न किसी अच्छी शिक्षा व ज्ञान प्राप्त करके ही विश्वविद्यालय में कार्यरत हैं। संवाद

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद
Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: Dainik jagran **Date: 30-05-2023**

गैर शिक्षक कर्मचारियों के बिना विवि में कोई भी कार्य संभव नहीं

सीआरएसयू में आयोजित सेमिनार में मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए। ● विज्ञप्ति

जागरण संवाददाता, जींद : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के आइक्यूएसी विभाग द्वारा गैर शिक्षक कर्मचारियों के लिए सेमिनार का आयोजन किया। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रिटायर्ड डिप्टी रजिस्ट्रार और वर्तमान में विश्वविद्यालय के ओएसडी डा. राजीव शर्मा ने शिरकत की।

विश्वविद्यालय पहुंचने पर आइक्यूएसी डायरेक्टर प्रोफेसर एसके सिन्हा ने मुख्य वक्ता का अभिनंदन किया। डा. राजेश शर्मा ने कहा कि गैर शिक्षक कर्मचारियों के बिना विश्वविद्यालय में कोई भी कार्य संभव नहीं है। नान टीचिंग कर्मचारी विश्वविद्यालय के हर छोटे से छोटे या बड़े से बड़े काम को अपनी जिम्मेदारी के अनुसार संभालता है और विश्वविद्यालय का मार्गदर्शन करता है। इसमें एक चपरासी से लेकर एक बड़ी पोस्ट के अधिकारी सबका समान रूप से योगदान होता है। उन्होंने कहा कि आप लोग विश्वविद्यालय में किसी न किसी अच्छी शिक्षा व ज्ञान प्राप्त करके ही विवि में कार्यरत हैं। हमेशा एक-दूसरे से सीख कर खुद को विकसित करना चाहिए और दूसरों का अपना-अपना महत्व दिखाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विवि में काम करने का मतलब शिक्षा के प्रचार-प्रसार को बढ़ाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देना है।

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद
Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesri **Date: 30-05-2023**

पंजाब केसरी
TUE,30 MAY 2023
EDITION: JIND KESARI, PAGE NO. 4

मंगलवार TUESDAY, 30 मई 2023

हमेशा एक-दूसरे से सीख कर खुद को विकसित करें : शर्मा

जींद, 29 मई (ललित) : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के आइ.क्यू.ए.सी विभाग द्वारा गैर शिक्षक कर्मचारियों के लिए एक सऐमिनार का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रिटायर्ड डिप्टी रजिस्ट्रार और वर्तमान में विश्वविद्यालय के ओएसडी डॉ. राजीव शर्मा ने शिरकत की।

विश्वविद्यालय पहुंचने पर आइक्यूएसी डायरेक्टर प्रो. एसके सिन्हा ने मुख्य वक्ता का स्वागत किया। मुख्य वक्ता डॉ. राजीव शर्मा ने सभागार में उपस्थित सभी गैर शिक्षक कर्मचारियों के सामने अपना संक्षिप्त परिचय देते हुए बताया कि वह सितम्बर 2022 में डिप्टी रजिस्ट्रार के पद से सेवा निर्मित हुए थे और उसके बाद दोबारा विश्वविद्यालय कुलपति की कमिटमेंट से होने ओएसडी के पद पर रखा गया।

उन्होंने कहा कि गैर शिक्षक कर्मचारियों के बिना विश्वविद्यालय में कोई भी कार्य पॉसिबल नहीं है। नॉन टीचिंग कर्मचारी विश्वविद्यालय के हर छोटे से छोटे या बड़े से बड़े काम को अपने जिम्मेदारी के अनुसार संभालता है और विश्वविद्यालय का मार्गदर्शन करता है।

इसमें एक चपरासी से लेकर एक बड़ी पोस्ट के अधिकारी सबका समान रूप से योगदान होता है। उन्होंने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोग विश्वविद्यालय में किसी न किसी अच्छी शिक्षा व ज्ञान प्राप्त करके ही विश्वविद्यालय में कार्यरत हैं।

हमेशा एक-दूसरे से सीख कर खुद को विकसित करना चाहिए और दूसरों का अपना-अपना महत्व दिखाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में काम करने का मतलब शिक्षा के प्रचार-प्रसार को बढ़ाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देना है।

सैमीनार को मुख्य वक्ता को सम्मानित करते आयोजक।

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद
Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 30-05-2023**

गैर शिक्षक कर्मचारियों के लिए सेमिनार का आयोजन

एक दूसरे से सीख कर खुद को विकसित करें : डॉ. राजीव

जींद. मुख्यवक्ता को सम्मानित करते हुए विश्वविद्यालय स्टाफ सदस्य।

जींद | चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के आइक्यूएसी विभाग द्वारा गैर शिक्षक कर्मचारियों के लिए सेमिनार का आयोजन किया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रिटायर्ड डिप्टी रजिस्ट्रार और वर्तमान में विश्वविद्यालय के ओएसडी डॉ. राजीव शर्मा ने शिरकत की। विश्वविद्यालय पहुंचने पर आइक्यूएसी डायरेक्टर प्रोफेसर एसके सिन्हा ने मुख्य वक्ता का स्वागत किया।

मुख्य वक्ता डॉ. राजीव शर्मा ने बताया कि वह सितंबर 2022 में डिप्टी रजिस्ट्रार के पद से सेवा निर्मित हुए थे और उसके बाद दोबारा विश्वविद्यालय कुलपति की कमिटमेंट से होने ओएसडी के पद पर रखा गया। गैर शिक्षक कर्मचारियों के बिना विश्वविद्यालय में कोई भी कार्य पॉसिबल नहीं है। नॉन टीचिंग कर्मचारी विश्वविद्यालय के हर छोटे से छोटे या बड़े से बड़े काम को अपने जिम्मेदारी के अनुसार संभालता है। उन्होंने बताया कि आप लोग विश्वविद्यालय में किसी न किसी अच्छी शिक्षा व ज्ञान प्राप्त करके ही विश्वविद्यालय में कार्यरत हैं। हमेशा एक दूसरे से सीख कर खुद को विकसित करना चाहिए और दूसरों का अपना-अपना महत्व दिखाना चाहिए।